#पोवार_इतिहास 🚩
कुछ ऐतिहासिक तथ्य

🔴 परमार उपाधि प्राप्त पोवार राजपरिवार दरअसल 36 कुल पोवार जाति का एक कुल या एक शाखा है ! परमार उपाधि प्राप्त परिवार की भी और 35 उपशाखाएं है ।

🔴 भोजदेव के राजपरिवार को मिली उपाधि इतनी प्रसिध्द हुयी की समस्त पोवार जाती को परमार कहा गया !

🔴पोवार जाती के लोग प्राचीन पौर (वैदिक जाती पुरु) होने के प्रमाण मिले है ! उन पौर लोगो को अंग्रेजी में Powar, Puar , Puwar , Puvar , Pravara , Ponwar, Panwar आदि लिखा मिलता है !

ऋग्वेद का यह मन्त्र दर्शाता है की वैदिक समय में पौर थे !

पौरं चिद्ध्युदप्रुतं पौर पौराय जिन्वथः ।
यदीं गृभीततातये सिंहमिव द्रुहस्पदे ॥४॥

अर्थात
हे अश्विनीकुमारो ! तुम जल बरसाने वाले बादलो को पौर जहा रहते है उनके पास भेजो ! शुर जिस प्रकार गरजते हुए सिंह को मार गिराता है , उसी प्रकार यज्ञ कार्य में व्यस्त पौरो के निकट तुम बादलो को बरसाओ!